Dr. Kumari Priyanka

Department of history

H.D jain college, Ara

Notes for ug sem 2

Topic:- सुमेर सभ्यता के पुरातात्विक स्रोत बताएं

सुमेर सभ्यता (Sumerian Civilization) का अध्ययन मुख्य रूप से पुरातात्विक स्रोतों के आधार पर किया गया है। इसके प्रमुख स्रोत निम्नलिखित हैं–

1. लेखन सामग्री (Cuneiform Inscriptions)

- सुमेरियाई लोगों ने दुनिया की पहली ज्ञात लेखन प्रणाली **शंखाक्षर लिपि (Cuneiform Script)** विकसित की।
- यह मिट्टी की पट्टिकाओं (Clay Tablets) पर लिखी जाती थी, जिन्हें सूखाकर या आग में पकाकर संरक्षित किया जाता था।
- प्रमुख ग्रंथ:
  - **एपिक ऑफ गिलगमेश** (Epic of Gilgamesh) – प्राचीनतम महाकाव्य।
  - **ऍन्नूमा ऐलिश (Enuma Elish)** - सुमेरियाई सृष्टि कथा।
  - व्यापार, कर-व्यवस्था, कृषि, कानून और प्रशासन से जुड़े अभिलेख।

2. पुरातात्विक स्थलों से प्राप्त संरचनाएं

- **ज़िग्गुराट (Ziggurats)** - विशाल सीढ़ीदार मंदिर, जैसे **ऊर (Ur) का ज़िग्गुराट**।
- **महल एवं प्रशासनिक भवन** - किंग्स लिस्ट (राजाओं की सूची) और प्रशासनिक रिकॉर्ड।
- **नगरों के अवशेष** - ऊर, उरुक, लगाश, किश, निप्पुर आदि नगरों के अवशेष मिले हैं।

3. मुद्राएं और शिल्पकला

- सिलेंडर सील (Cylinder Seals) – छोटे बेलनाकार पत्थर जिन पर चित्र उकेरे गए थे, ये व्यापार और प्रशासन में उपयोग होते थे।
- मूर्तियां - देवी-देवताओं, राजाओं, पुजारियों की मूर्तियां, जैसे **गुडिया (Gudea) की मूर्तियां**।

- टेराकोटा की आकृतियां, धातु और पत्थर की कलाकृतियां।

4. औजार और हथियार

- कांस्य और तांबे के औजार एवं हथियार मिले हैं, जैसे - तीर-धनुष, भाले, कुल्हाड़ियां, खंजर आदि।
- कृषि उपकरण - हल, कुदाल, हंसिया आदि।

5. सिक्के और व्यापारिक अभिलेख

- सुमेरियाई लोग व्यापार में विकसित थे, विशेषकर मेसोपोटामिया, सिंधु घाटी, मिस्र और फारस के साथ।
- व्यापारिक अभिलेखों में तांबे, सोने, चांदी, कीमती पत्थरों, ऊन, अनाज आदि का उल्लेख मिलता है।

6. सुमेर सभ्यता के कानून (Legal Texts)

- **उर-नम्मु संहिता (Ur-Nammu Code)** - विश्व की पहली ज्ञात विधि संहिता।
- **हम्मुराबी संहिता (Hammurabi Code)** - यद्यपि यह बाबुली राजा हम्मुराबी (1792-1750 BCE) ने बनाई थी, लेकिन इसका आधार सुमेरियाई कानून प्रणाली थी।

निष्कर्ष

सुमेर सभ्यता के पुरातात्विक स्रोत मुख्य रूप से लिखित अभिलेख, मंदिर, नगरों के अवशेष, शिल्पकला, औजार, व्यापारिक रिकॉर्ड और कानूनी संहिताएं हैं। ये स्रोत न केवल सुमेरियाई समाज और शासन व्यवस्था को समझने में सहायक हैं, बल्कि यह भी दर्शाते हैं कि यह सभ्यता किस प्रकार विश्व की प्रारंभिक सभ्यताओं में अग्रणी थी।